राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
माध्यमिक
पाठ 17 : बीती विभावरी जाग री
कार्यपत्रक -17

1. जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित कोई 03 कविताएं पढ़िए और उनके आधार पर प्रसाद की काव्यगत विशेषताओं का विश्लेषण कीजिए।

2. 'बीती विभावरी जाग री' कविता में जागरण का आहवान किया गया है। वर्तमान स्थिति में हमें किन क्षेत्रों में जाग्रत होने की आवश्यकता है? स्पष्ट कीजिए।

3. कल्पना कीजिए कि आपको किसी गाँव में कुछ दिन रहने का अवसर मिला है। वहाँ के प्रातःकालीन दृश्य, दैनिक क्रियाकलाप, जन जीवन, समस्याओं को केंद्र में रखकर एक निबंध लिखिए और उपयुक्त शीर्षक भी दीजिए।

4. आपके मित्र को रूपक अलंकार पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। उसकी सहायता के लिए आप सरल भाषा में रूपक अलंकार स्पष्ट कीजिए । पाठ्यक्रम में दी गई कविताओं के अलावा 02 उदाहरण भी दीजिए।

5. 'बीती विभावरी जाग री' कविता में प्रातः काल की बेला का वर्णन है। यदि आप सांध्यकालीन समय पर कविता रचेंगे तो उसमें कौन-2 से दृश्य शामिल होंगे। कल्पना कीजिए और लिखिए।

6. 'बीती विभावरी जाग री' पंक्ति से आप क्या संदेश ग्रहण करते हैं? अपने शब्दों में लिखिए।

7. जयशंकर प्रसाद हिन्दी साहित्य के अत्यंत प्रसिद्ध कवि हैं। वे एक विशेष काल के प्रमुख स्तम्भ माने जाते हैं। इस काल के काव्य की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

8. "खग-कुल कुल-कुल-सा बोल रहा,
   किसलय का अंचल बोल रहा"
   काव्य पंक्तियों का भाषागत सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

9. इसी पाठ्यक्रम की कविता 'इसे जगाओ' और 'बीती विभावरी जारी' कविता के मूल संदेश का तुलनात्मक विश्लेषण कीजिए।

10. 'प्रकृति की सौंदर्ययुक्त परिकल्पना मानव अस्तित्व के लिए आवश्यक है' क्या आप इस कथन से सहमत हैं? अपने उत्तर का समर्थन करते हुए कथन का मूल्यांकन कीजिए।